मोगली सीएलएफ मामले में वित्तीय अनियमितता, जांच को लेकर मचा हड़कंप

सिवनी नवभारत।जिला पंचायत के अंतर्गत आने वाले विभाग राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अंतर्गत संचालित मोगली सीएलएफ से जुड़े मामले में वित्तीय अनियमितताओं, कथित अवैध वसूली, भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ियों तथा विभागीय कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। मामले को लेकर विभागीय स्तर पर हलचल तेज हो गई है और शिकायतकर्ताओं द्वारा पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की जा रही है।और निष्पक्ष रूप से मामला सामने आ सके वहीं सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मोगली सीएलएफ की जांच की गई, लेकिन जांच में क्या तथ्य सामने आए, किन बिंदुओं पर अनियमितताएं पाई गईं तथा जांच दल ने अपनी रिपोर्ट में क्या उल्लेख किया, इसकी जानकारी अब तक सार्वजनिक नहीं की गई है।

कथित वसूली और भर्ती गड़बड़ियों के गंभीर आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग तेज

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि नियमों के अनुसार जांच से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्यों को सार्वजनिक किया जाना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया, जिससे जांच प्रक्रिया की पारदर्शिता पर प्रश्न उठ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार जांच प्रारंभ होने से पूर्व कुछ महिलाओं द्वारा भोपाल पहुंचकर एनआरएलएम की सीईओ को शिकायत प्रस्तुत की गई थी। शिकायत के बाद जिला परियोजना प्रबंधक (डीपीएम) संजय रस्तोगी के द्वारा आनंद फानन में तत्काल जांच बैठाई गई। आरोप है कि शिकायत के बाद शुरू हुई जांच में कई महत्वपूर्ण बिंदु सामने आए, लेकिन उन तथ्यों को सार्वजनिक नहीं किया गया। और विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार है जिले के विभिन्न संकुल स्तरीय संगठनों में अधिकारियों एवं संकुल स्तर के पदाधिकारियों की मिलीभगत से वित्तीय अनियमितताओं को अंजाम दिया गया। आरोप है कि कई मामलों में रिकॉर्ड सुधारने, दस्तावेज व्यवस्थित कराने तथा पूर्व में हुई अनियमितताओं को छिपाने के नाम पर राशि की मांग की गई। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होने पर करोड़ों रुपये के वित्तीय लेनदेन और विभागीय कार्यप्रणाली से जुड़े कई तथ्य सामने आ सकते हैं।

मामले में कुछ सीएलएफ को जारी किए गए नोटिस भी विवादों में हैं। आरोप है कि नोटिसों में वित्तीय गणना संबंधी त्रुटियां हैं तथा कई स्थानों पर राशि का सही जोड़ तक नहीं लगाया गया। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि यदि नोटिस जारी करने से पहले तथ्यों और आंकड़ों का सही परीक्षण नहीं किया गया तो यह विभागीय लापरवाही का गंभीर मामला माना जाएगा।

डीपीएम द्वारा जारी आदेश क्रमांक 780 एवं 778 को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। शिकायतकर्ताओं की मांग है कि इन दोनों आदेशों की स्वतंत्र एजेंसी अथवा उच्च स्तरीय समिति से जांच कराई जाए। उनका कहना है कि इन आदेशों तथा इनके आधार पर की गई कार्रवाई की निष्पक्ष जांच होने पर कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आ सकती हैं।

सूत्रों के अनुसार अधिक राशि के आहरण से संबंधित प्रस्तावों को बैंक स्टेटमेंट के अनुरूप तैयार कराया जा रहा है। आरोप है कि पूर्व में हुई वित्तीय अनियमितताओं को छिपाने तथा जिम्मेदार लोगों को बचाने के लिए दस्तावेजों में सुधार और रिकॉर्ड को व्यवस्थित करने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

मामले में सीएलएफ स्तर पर कंप्यूटर ऑपरेटर एवं प्रबंधक भर्ती प्रक्रिया भी सवालों के घेरे में है। आरोप है कि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव रहा तथा भर्ती के नाम पर अवैध वसूली की गई। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि कुछ स्थानों पर भर्ती प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, जबकि कई स्थानों पर आज भी प्रक्रिया लंबित है। भर्ती प्रक्रिया में इस असमानता को लेकर भी कई सवाल उठाए जा रहे हैं। सूत्रों के हवाले से यह भी आरोप सामने आए हैं कि अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विभिन्न समूहों से पेट्रोल व्यय, कार्यक्रम आयोजन, निरीक्षण, बैठक एवं भुगतान संबंधी प्रक्रियाओं के नाम पर अनौपचारिक रूप से राशि वसूली गई। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि इस प्रकार की वसूली लंबे समय से जारी है और इसकी वजह से कई समूह आर्थिक रूप से प्रभावित हुए हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

पेट्रोल अनाउंस एवं पेमेंट करवाने के नाम से वसूली?

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बताया जाता है की कुछ संकुल स्तरीय संगठनों एवं संबंधित गतिविधियों में अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विभिन्न समूहों से पेट्रोल व्यय, कार्यक्रम आयोजन, निरीक्षण, बैठक एवं भुगतान संबंधी प्रक्रियाओं के नाम पर अनौपचारिक रूप से राशि वसूले जाने का दबाव बनाया जाता रहा है। और विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस प्रकार की वसूली को लेकर कई स्तरों पर असंतोष की स्थिति बनी हुई है, लेकिन अधिकांश लोग कार्रवाई के भय या अन्य कारणों से खुलकर सामने नहीं आ रहे हैं। क्योंकि अगर सामने आते हैं तो विभाग उनके ऊपर कार्यवाही करने के चलते खुलकर नहीं आ रहे हैं कुछ मामलों में राशि की मांग को प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा बताकर प्रस्तुत किया जाता है, जबकि संबंधित व्यक्तियों का कहना है कि ऐसे भुगतानों का स्पष्ट लेखा-जोखा और अधिकृत दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए जाते। इन आरोपों के कारण वित्तीय पारदर्शिता एवं जवाबदेही को लेकर पूरे विभाग में चर्चा का विषय बना हुआ है और पूरे विभाग में यह चर्चा जोरो पर है है कि यदि ऐसे अधिकारीयों और कर्मचारीयो की निष्पक्ष एवं गहन जांच कराई जाए तो कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं। ऐसे में संबंधित विभाग द्वारा पूरे मामले की पारदर्शी जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट किए जाने की मांग भी उठने लगी है, ताकि यदि कोई अनियमितता हुई हो तो जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके और आम हितग्राहियों का विश्वास बना रहे।

धान उपार्जन कार्य से जुड़े स्वयं सहायता समूहों को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार कुछ समूहों से कथित रूप से प्रति समूह 50 हजार रुपये तक की राशि वसूले जाने की शिकायतें सामने आई हैं। यदि इन आरोपों की पुष्टि होती है तो यह मामला केवल वित्तीय अनियमितता तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि ग्रामीण आजीविका मिशन की मूल भावना पर भी प्रश्न खड़े करेगा।

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि मोगली सीएलएफ प्रकरण किसी एक संस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी जांच जिले के अन्य संकुल स्तरीय संगठनों तक भी विस्तारित की जानी चाहिए। उनका दावा है कि यदि पूरे जिले में संचालित सीएलएफ और संकुल संगठनों के वित्तीय रिकॉर्ड, बैंक खातों, भर्ती प्रक्रियाओं तथा प्रशासनिक आदेशों की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो कई महत्वपूर्ण तथ्य उजागर हो सकते हैं।

अब पूरे मामले को लेकर जिला प्रशासन, एनआरएलएम के वरिष्ठ अधिकारियों तथा राज्य स्तर के जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। शिकायतकर्ताओं ने मांग की है कि मामले की जांच के लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष टीम गठित कर सभी आरोपों की बिंदुवार जांच कराई जाए तथा दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और पदाधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। समाचार प्रकाशित होने के बाद यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि प्रशासन इन गंभीर आरोपों को किस स्तर पर लेते हुएआगे क्या कदम उठाता है और क्या पूरे मामले की पारदर्शी जांच कर वास्तविक स्थिति जनता के सामने लाई जाती है।

इनका कहना है

40 लाख नहीं 28 लाख था गलत तरीके से सीएलएफ में डिस्ट्रीब्यूटर कर दिया गया था जांच के बाद वसूली भी हो गई हैऔर रिकॉर्ड को अपडेट कर रहे हैं

संजय रस्तोगी
डीपीएम सिवनी

इस मामले में आप डीपीएम से बात कर लें

अंजलि शाह जिला पंचायत
सीईओ सिवनी

एक नजर में

सड़क दुर्घटना में व्यक्ति की मौत

उगली। गत दिवस दिन शनिवार की रात्रि में लगभग 8बजे पुलिस थाना उंगली के अंतर्गत निकट ग्राम खामी और पोंडी ग्राम के मध्य दो मोटरसाइकिल आमने-सामने से जबरदस्त भिड़त होने से एक बाइक सवार रूप सिंह उइके उम्र 50 वर्ष की घटना स्थल पर मृत्यु हो गई, जबकि दूसरा वाहन सवार घटनास्थल से फरार हो गया जिसकी जानकारी पुलिस थाना उगली को दी गई,घटनास्थल पर पुलिस थाना प्रभारी अपनी दलबल के साथ पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर शिनाख्त शुरू किया, मृतक की पहचान रूप सिंह उइके शिक्षक निवासी ग्राम अर्नमिटा चांगूटोला जिला बालाघाट के रूप में की गई उक्त व्यक्ति प्राथमिक शाला शिक्षक खामटोला में पदस्थ था,और अपने निजी कार्य के आधार पर उगली से ग्रह ग्राम की ओर जा रहे थे, तभी अचानक सामने से आ रही दो पहिया मोटरसाइकिल से भिडंत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक ने हेलमेट नहीं पहना था,जिसकी वजह से घटनास्थल पर ही व्यक्ती की मृत्यु हो गई पुलिस थाना उगली ने मर्ग कायम कर शव पोस्टमार्टम के लिए केवलारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा, शव पोस्टमार्टम पश्चात परिजनों को सौंप दिया गया घटना से जुड़ी हुई हर गंभीर पहलुओं की जांच पुलिस थाना उगली कर रही है, फिलहाल अज्ञात व्यक्ती पर मामला पंजीबद्ध किया है.

महिला संगठन लखनादौन ने नशे के खिलाफ जागरूक किया

लखनादौन। रविवार के दिन विश्व तंबाकू निषेध दिवस को लेकर नगर के महिला संगठन एवं जागरूक नागरिकों के द्वारा स्थान श्री हनुमान - काली मंदिर प्रांगण में देश में बढ़ रहे नशे के खिलाफ आवाज उठाई गई जो कि नशे का ही एक रूप है और ऐसे अनेकों प्रकार के नशे से समाज,देश और विश्व ग्रसित है। मुख्य अतिथि के रूप में अधिवक्ता एवं मीडिया से जुडे समाजसेवी और जागरूकता बढ़ाने वाले यशवंत गोल्हानी ने उपस्थित मात्रशक्तियों एवं बच्चों को नशे से होने वाले दुष्प्रभावों और बीमारियों की जानकारी दी और बताया कि किस तरह से तंबाकू के सेवन से कैंसर तक होने की संभावना होती है और अन्य नशे से भी रोज कितनी जिंदगियां बर्बाद हो रही हैं,और इन नशे के माध्यमों से सरकारें टैक्स लेकर अपने खजाने भर रही हैं ताकि फ्री की योजनाएं चलाई जा सकें। साथ ही नशे से दूर रहने की सलाह दी गई एवं अपने परिवार और समाज के लोगों को भी नशे से दूर रहने की सलाह दी जानी चाहिए ये बच्चों और सभी के बीच में बताया गया, आज टीवी और सोशल मीडिया या वेबसीरीज में बहुत ही ज्यादा धूम्रपान और शराबखोरी प्रदर्शित की जा रही है और नियमानुसार एक छोटी सी लाइन नीचे ये लिखकर कि धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, सरकारें अपनी जिम्मेदारियों से दूर हो रही हैं, जबकि कहीं ना कहीं इन सभी की जानकारी में और प्रशासन की नाक के नीचे ये सभी नशे के कारोबार पनप ही नहीं रहे बल्कि अच्छे फल और फूल रहे हैं, और कहीं ना कहीं गलत तरीके से पैसा आ रहा है जिससे समाज और देश में अपराध भी बढ़ रहे हैं और ये सभी बातें सनातन के एकदम विपरीत हैं, इस ओर विधायकों, सांसदों और जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया गया ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ, स्वस्थ और अपराधों से मुक्त माहौल मिल सके। उपस्थित मातृशक्ति संगठन में संगीता यादव, मीरा श्रीवास्तव, प्रभा भटनागर, ऊषा गोल्हानी, अंजली यादव, अर्चना तिवारी, जीरो बाई यादव, मीना यादव, अध्यक्ष शकुंतला गोल्हानी, वसुंधरा गोल्हानी, रजनी अग्रवाल एवं यमुना प्रसाद यादव शामिल रहे।

प्री-मानसून की दस्तक : आंधी, बारिश और ओलावृष्टि से जनजीवन अस्त-व्यस्त

उगली नवभारत। विगत दिवस शनिवार और भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगो को साप्ताहिक हाट बाजार शनिवार दोपहर मौसम के अचानक बदले मिजाज ने बड़ी राहत दी। प्री-मानसून की दस्तक के साथ तेज आंधी-तूफान, गरज-चमक और ओलावृष्टि के बीच हुई झमाझम बारिश ने तापमान में गिरावट ला दी। हालांकि इस बारिश और तूफान ने राहत के साथ-साथ कई क्षेत्रों मे नुकसान भी पहुंचाया है। सिवनी जिले के जनपद पंचायत केवलारी अंतर्गत उपतहसील उगली क्षेत्र मे तेज हवाओं और ओलावृष्टि का व्यापक असर देखने को मिला। ग्राम पंचायत खामी सहित आसपास के कई गावों मे तेज आंधी के कारण बिजली के तार टूट गए, जिससे रात भर विद्युत आपूर्ति बाधित रही। बिजली गुल होने से ग्रामीणों को अंधेरे मे रात गुजारनी पड़ी। तूफान की रफ्तार इतनी तेज थी कि महुआ, नीम और जामुन व अन्य बड़े-बड़े पेड़ धराशायी हो गए। कई स्थानों पर पेड़ों के गिरने से

रास्ते अवरुद्ध हो गए और आवागमन प्रभावित हुआ। ओलावृष्टि के कारण खेतों और पेड़-पौधो को भी भारी नुकसान पहुंचा। अभी किसानों की फसल रवी और दलहनी फसल मूंग, मक्का आदी खेतों पर पक कर लगभग तैयार है। अनेक घरों की कवेलू उड़ गई, जबकि कई मकानों की टीन की चादरें हवा मे उड़कर दूर जा गिरी। कुछ परिवारों के घरों की छतें क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे बारिश का पानी सीधे घरों के अंदर पहुंच गया। कई घरों मे पानी भर जाने से घरेलू सामान भी खराब हो गया। ग्रामीणो ने बताया कि कुछ समय के लिए ऐसा लग रहा था मानो प्राकृतिक आपदा आ गई हो। तेज हवाओं, बारिश और ओलों के कारण लोग अपने घरों मे दुबके रहने को मजबूर हो गए। हालांकि बारिश से भीषण गर्मी से राहत मिली है, लेकिन तूफान और ओलावृष्टि से हुए नुकसान ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कराकर नुकसान का आकलन करने तथा पीड़ित परिवारो को उचित राहत एवं सहायता प्रदान करने की मांग की है। वही मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भी मौसम के इसी प्रकार बने रहने की संभावना जताई है, जिससे लोगो को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

छपारा में तेज हवाओं के साथ हुई झमाझम बारिश

छपारा नवभारत। नगर में रविवार को मौसम ने अचानक करवट ले ली, पिछले कई दिनों से जारी भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को उस समय बड़ी राहत मिली जब तेज हवाओं के साथ जोरदार बारिश शुरू हो गई। कुछ ही देर में हुई इस बारिश ने पूरे इलाके का मौसम पूरी तरह बदल दिया। नौतपा के इस प्रचंड गर्मी वाले दौर में, जब सामान्यत: तापमान अपने चरम पर रहता है, ऐसे समय में बारिश का होना लोगों के लिए किसी सुखद आश्चर्य से कम नहीं रहा। वैसे तो रविवार सुबह से ही आसमान में बादल छाए थे किंतु नौ बजे के आसपास आसमान साफ हो गया था किंतु दोपहर एक बजे के बाद अचानक मौसम ने करवट लिया और काले घने बादलों ने पूरे क्षेत्र को ढक लिया। इसके बाद तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई, जो रुक-रुक कर काफी देर तक जारी रही। बारिश शुरू होते ही तापमान में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई। उमस और गर्म हवाओं से परेशान लोगों ने राहत की सांस ली। ठंडी हवाओं और बारिश की बूंदों ने वातावरण को सुहावना बना दिया, जिससे लोगों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली। बारिश के चलते नगर की कई सड़कों पर पानी भर गया और कुछ स्थानों पर जलभराव की स्थिति भी बन गई। हालांकि, इसके बावजूद बच्चे और युवा बारिश का आनंद लेते नजर आए। कई लोग छतों और दुकानों के बाहर खड़े होकर इस बदले मौसम का लुत्फ उठाते दिखे। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस तरह की बारिश नौतपा के दौरान बेहद राहत देने वाली है।

सोशल मीडिया पर अश्लील पोस्ट की शिकायत

केकडई सरपंच के खिलाफ डाली गई पोस्ट चर्चा में

धारनाकला नवभारत। जनपद पंचायत बरघाट के अन्तर्गत आने वाली ग्राम पंचायत केकडई के सरपंच तथा सरपंच संघ के बलाच अध्यक्ष जितेंद्र गौतम के द्वारा वाटसाप ग्रूप मीडिया जगत सिवनी मे डाली गई अश्लील लेख लिखने के सम्बन्ध मे पुलिस थाना बरघाट मे शिकायत करते हुए कार्यवाई की मांग की गई है अपने लिखित आवेदन मे सरपंच गौतम के द्वारा विषय मे यह भी दर्शाया गया है की अश्लील लेख लिखने वाले युवक विजय ठाकुर द्वारा बीस हजार रूपये की मांग करते हुऐ झूठे आरोप मे फसाने की धमकी भी दी गई है

क्या लिखा गया था वॉट्सअप ग्रुप में

उल्लेखनीय है की वाटसाप ग्रूप मे सरपंच जितेंद्र गौतम के खिलाफ अश्लील पोस्ट करते हुऐ लिखा गया था की केकडई सरपंच जितेन्द्र गौतम सरपंच होने के बाद भी शनि मंदिर सलाई कालोनी बरघाट मे रात 8 बजे नवजात कुवारी लडकी से सम्बन्ध बनाते पकडा गया भाजपाई नेता है अथवा कंस का छोटा भाई इसके अतिरिक्त और भी अश्लील शब्द लिखे गये जिन शब्दो को एक प्रतिष्ठित व्यक्ति अथवा जन प्रतिनिधि होने के नाते लिखना मुनासिब नही है वाटसाप ग्रूप मे डाली गई यह पोस्ट जिस तेजी से वायरल हुई उसी तेजी से लोगो ने पढा और धीरे धीरे आग की तरह हर किसी की जुबान पर सरपंच का नाम सामने आने लगा किन्तु कुछ ही देर मे वाटसाप ग्रूप सोशल मीडिया मे डाली गई यह पोस्ट डिलीट भी कर दी गई वही दूसरी तरफ सरपंच तथा शिकायत से जुडे व्यक्ति का बातचीत का आडियो रिकार्डिंग भी तेजी के साथ वायरल हो चुका था और लोगो की जुबान पर अनेको प्रकार की चर्चाओ का दौर चलते रहा और अब तक चल ही रहा है। हालाकि सरपंच जितेन्द्र गौतम के द्वारा पुलिस थाना बरघाट मे लिखित शिकायत करते हुऐ इसे ब्लेक मेल करने की संज्ञा देते हुऐ कठोर कार्यवाई की मांग जरूर की गई है किन्तु इस आरोप प्रत्यारोप मे क्या सच्चाई है यह अब तक सामने नही आया है किन्तु सोशल मीडिया मे इस घटना के अतिरिक्त भी अनेको ऐसे मामले सामने आते रहे है जिस पर पारदर्शिता के साथ ठोस कार्रवाई की आवश्यकता जरूर है

पपीते से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर पलटा, ड्राईवर को सिर पर आई चोट

छपारा नवभारत। आज 31 मई को सुबह लगभग नौ बजे कर्नाटक के मैसूर से पपीता भरकर दिल्ली जा रहा एक ट्रक एन एच 44 फोरलेन सड़क के सिवनी और लखनादौन के बीच छपारा से 8 किलोमीटर दूर बंजारी घाटी में अनियंत्रित होकर पलट गया जहां सूचना पर एन एच ए आई एंबुलेंस 1033 ने मौके पर पहुंच कर घायल ट्रक ड्राईवर को समीप सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र छपारा पहुंचाया जहां उपचार हेतु भर्ती कराया गया वहीं सुबह हुए इस सड़क हादसे से कुछ समय के लिए एन एच 44 फोरलेन सड़क पर एकल मार्ग कर राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवाजाही कराई गई।

मिली जानकारी के अनुसार छपारा नगर से लगभग 8 किलोमीटर दूर गणेशगंज और छपारा के बीच मां बंजारी मंदिर के पीछे एन एच 44 फोरलेन सड़क पर मैसूर से दिल्ली पपीतों से भरा हुआ ट्रक ड्राईवर इरशाद पिता हसन उम्र 22 वर्ष जिला रीवा मध्यप्रदेश निवासी द्वारा बताया गया कि बंजारी घाटी उतरते हुए अपने वाहन के सामने चल रहा दूसरे ट्रक की गति अचानक धीमी हो जाने से अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया और ट्रक में लोड सामग्री सड़क पर बिखर गई वहीं सौभाग्य वश ट्रक ड्राईवर को सिर पर चोट आई उसे घटना स्थल से एन एच ए आई एंबुलेंस 1033 ने छपारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भर्ती कराया जहां घायल का उपचार जारी है।

कांग्रेस का प्रदर्शन आज

सिवनी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा की गई कथित अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस आज 1 जून को दोपहर 3 बजे कचहरी चौक, सिवनी में मुख्यमंत्री का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन करेगी। कांग्रेस ने बयान की निंदा करते हुए इसे लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ बताया है।

रमाशंकर महोबिया कतिया समाज के ब्लॉक अध्यक्ष पद पर पदासीन

केवलारी नवभारत। मध्यप्रदेश कतिया समाज पंजीकृत संथा 10277 की ब्लॉक स्तरीय समाजिक बैठक संत भूरा भगत कतिया समाज मंगल भवन मुनगापार मे बिष्णु प्रसाद कौशले ललमटिया सिवनी की अध्यक्षता, के के डोंगरे जिलाध्यक्ष, रविशंकर रसिक जिला उपाध्यक्ष, दयाराम कौशले बबलू पहलवान नगर अध्यक्ष, पी डी नाग पूर्व जिलाध्यक्ष, डी डी नाग कोषाध्यक्ष सिवनी की उपास्तिथी मे आयोजित समाजिक बैठक मे समाज के महिला पुरुषों ने एक मतेन रमाशंकर महोबिया (महलवंशी) को अध्यक्ष पद के लिये प्रस्तावित किया ओर एक स्वर मे निर्विरोध ब्लॉक अध्यक्ष पद पर पदासीन किया गया ।

31 मई को कतिया समाज मंगल भवन मुनगापार मे आयोजित बैठक मे संत शिरोमणि भूरा भगत एवं भगवान शंकर की पूजन माल्यार्पण आरती उपरांत मंचासीन आतिथीयो का पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया। विजय अर्जुनवार ब्लॉक अध्यक्ष ने बीते पांच बर्ष का कार्यकाल ओर सहयोग के लिए सभी को धन्यवाद दिया।के के डोंगरे जिलाध्यक्ष ने ब्लॉक कतिया समाज के पांच बर्षीय कार्यकाल के उपरांत नवीन कार्यकारिणी गठन के नियम को लेकर ब्लॉक अध्यक्ष चयन को लेकर प्रस्ताव रखा। पी डी नाग पूर्व जिलाध्यक्ष के द्वारा ब्लॉक अध्यक्ष के उम्मीदवार के सुझाव पर उपास्तिथ समाजिक बंधुओ ने एक मतेन होकर एक स्वर मे रमाशंकर महोबिया महलवंशी को ब्लॉक अध्यक्ष बनाये जाने का सभी उपास्तिथी महिला पुरुषों ने मंच के माध्यम से समर्थन कर निर्विरोध ब्लॉक अध्यक्ष घोषित किया।इस मौके पर शिव प्रसाद भारद्वाज चुटका, अनिल ग्वालेश्वर छुई, सुमत लाल नाग,लकी ग्यारसिया, विशाल नागोत्रा, शरमन ग्यारिया, सतीश नाग, जनक लाल सोनिक,रामेश्वर ढ़कारिया, कोमल सिंह, तेज लाल राकेशिया, रतिराम राकेशिया, संतोष नाग,मनोज ग्यारसिया, मोहन रघुवंशी,सोहन रघुवंशी,सुंदर लाल नाग,प्रीतम सिंह राकेशिया, नंदकिशोर राकेशिया, संतोष राकेश, धनीराम रसिक, गगन ग्यारसिया, प्रहलाद नागवंशी, नत्थूलाल राकेश, बंटी नागोत्रा, अजय सिहोसे, रामकिशोर ढ़कारिया, अर्जून पगारे, भजन लाल ,नत्थू भारद्वाज बगलई, ईश्वरीय शिववेदी, सुरेश बागरे, बलराम रघुवंशी केवलारी, विशाल नाग, रवि नाग,श्रीमति रत्ना डोंगरे, श्रीमति संध्या ग्यारिया, श्री मति निशा डोगरे,श्रीमति कौशल्या नाग, श्रीमति शकुन नाग, श्रीमति प्रीती लाजवंती, मुंती बाई नाग, श्रीमति ज्योति नायक, गंगोत्री जाबरे सहित सेकडो सजातीय बंधुओं की उपास्तिथी मे चयन हुआ।

अपील संगठन द्वारा पीएसीएल निवेशकों के हितों के लिए निरंतर सुप्रीम कोर्ट, लोढ़ा कमेटी, सेबी से किया जा रहा संपर्क

एआईएसओ की निवेशकों से अपील सेबी पोर्टल में समय रहते करें अपडेट

सिवनी नवभारत। पीएसीएल निवेशकों के लिए विगत ग्यारह वर्षों से निरंतर संघर्षरत संगठन एआईएसओ के राष्ट्रीय संयोजक पृथ्वीराज यादव ने पीएसीएल निवेशकों से अपील किया है की हर प्रकार की समस्या समाधान के लिए हम निरंतर प्रयासरत है तथा सभी समस्याओं का समाधान कब और कैसे हो इसके लिए सुप्रीम कोर्ट

एवं लोढ़ा कमेटी के समक्ष अपना पक्ष मजबूती से रखते हुए समय समय पर साथियों को फिजिकल तथा वर्चुअल मीटिंग के माध्यम से अवगत भी कराया जा रहा है। फिर भी अधिकांश साथी जो शायद संगठन के संपर्क में नही है उनके मन में भुगतान संबंधी कुछ सवाल उत्पन्न भले हो सकता हैं, यदि हम सब साथ रहे तो पैसा नही मिलने का कोई सवाल ही नहीं है, क्योंकि संगठन है तो मुमकिन है कि हम अंतिम निवेशक तक भुगतान लेकर रहेंगे।

देशभर में अब तक हुई नीलामी प्रक्रिया

आपको विदित हो देशभर में सेबी द्वारा जप्त पीएसीएल (पर्ल्स) ग्रुप की संपत्तियों में से अबतक सिर्फ 29 जिलों की 830 प्रॉपर्टी नीलाम कर 3850 करोड़ का फंड जुटाया जाकर 3720.67 करोड़ रूपए निवेशकों को लौटाया गया है। जबकि सेबी के पास पीएसीएल की कुल 43,841 संपत्तियां अटैच है। जिसमें देश के 5.85 करोड़ निवेशकों को 49,100 करोड़ रूपए देनदारी वापस किया जाना है। वही सेबी द्वारा अब तक हुए भुगतान से देनदारी कई गुनी है।

संगठन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गणेशराम देवांगन ने बताया पीएसीएल निवेशक के भुगतान में मुख्य समस्या को लेकर जैसे प्लॉट एलॉटमेंट,पहली एवम आखिरी रसीद को लेकर कम्पनी नियमानुसार ब्याज सहित भुगतान तथा ओरिजनल डॉक्यूमेंट के अभाव या अन्य कारणो से जो ऑनलाइन नही कर पाए हैं उनके लिए दोबारा पोर्टल खोलने संबंधी द्व क्रमांक 70244/2022 सुप्रीम कोर्ट में लगाई गई है यही नहीं इसके बाद भी संगठन द्वारा लोढ़ा कमेटी से कुछ भुगतान में आ रही समस्या को लेकर सवाल जवाब किए गए जिसका उत्तर इस प्रकार मिला।

एआईएसओ संगठन की पीएसीएल निवेशकों से अपील

संगठन लगातार लोढ़ा कमेटी/सेबी के संपर्क में है पर वर्तमान में जो बैंक अपडेट का अवसर मिला है उसमे पूरा फोकस करें ताकि समय रहते सबका बैंक खाता अपडेट हो जाए पर इसमें कुछ सावधानी बरतने की आवश्यकता है जैसे - यदि संभव हो तो कैंसल चैक को अपलोड करें क्योंकि उसमे प्रिंट तथा अन्य चीजें क्लियर होती है। यदि चेक संभव नहीं तब बैंक पासबुक की प्रिंट अच्छी क्वालिटी की हो खासकर नाम,ड्डस्रस्ट कोड,एकाउंट नंबर क्लियर दिखना चाहिए। पासबुक में फोटो एवं बैंक मैनेजर का सील साइन हो। ज्वाइंट खाते में फर्स्ट होल्डर मान्य है सेकंड होल्डर को पैसा नही आएगा इसलिए अलग खाता खुलवाकर अपडेट करें। स्कैनिंग की क्वालिटी 200 DPI से कम एवं फाइल साइज 300 KB से अधिक नहीं होनी चाहिए। जिस भी बैंक की पासबुक अपडेट करेंगे उसमें ekyc अपडेट होनी चाहिए।

इनका कहना है

संगठन के शीर्ष नेतृत्व द्वारा देशभर के पीएसीएल निवेशकों को फिजिकल एवं जूम मीटिंग के माध्यम से सेबी पोर्टल की तमाम जानकारी लगातार दी जा रही है। तथा राष्ट्रीय स्तर पर दो दिवसीय कार्यकर्ता दक्षता कार्यक्रम के माध्यम से भी राज्य स्तर पर लोगों को जानकारी देते हुए जागरूक किया जा रहा है। गुजरात,राजस्थान,मध्यप्रदेश के बाद अब छत्तीसगढ़ राज्य में दो दिवसीय कार्यक्रम जुलाई में होगा आयोजित।

हंसराज यादव राष्ट्रीय अध्यक्ष AISO